देश Rangila
भारत के विभिन्न रंग

www.DeshRangila.com

श्री राम स्तुति

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन
हरण भवभाय दारुणम्
नवकंज लोचना कंजा मुख कारा
कंजा पद कंजारुणम

श्री राम.. श्री राम ...!

कंदरपा अगनीता अमिता छवि
नवा नीला नीरारा सुंदरम
पातपीता मनहूम तारिता रुचि-शुचि
नवमी जनक सुतावरम

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन
हरण भवभाय दारुणम् .....!

भजु दीना बंधु दिनेश दानव
दैत्य वंश निकंदनम
रघुनन्द आनन्द काण्ड कौशल
चंद दशरथ नंदनम

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन
हरण भवभाय दारुणम् .... !

श्री राम स्तुति Online Post यहाँ पढ़ें

श्री राम स्तुति

सिरा मुकुट कुंडला तिलक चारु
उदारु अंग विभूषणम्
आजानु भुजा शर चापधारा
संग्राम-जीता-खरा दूषणम

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन
हरण भवभाय दारुणम् ....!

इति वदति तुलसीदास शंकर
शीश मुनि मनरंजनम
मम हृदयकंज निवास कुरु
कामादि खलदला गंजनम

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन
हरण भवभाय दारुणम्
नवकंज लोचना कंजा मुख कारा
कंजा पद कंजारुणम

श्री राम.. श्री राम.....!!

श्री राम स्तुति Online Post यहाँ पढ़ें

श्री राम स्तुति

सहनशीलता व धैर्य भगवान राम का प्रमुख गुण है। अयोध्या का राजा होते हुए भी श्री राम ने संन्यासी की तरह ही अपना जीवन व्यापन किया। यह उनकी सहनशीलता व सरलता को दर्शाता है।

भगवान राम काफी दयालु स्वभाव के रहें है। उन्होंने दया कर सभी को अपनी छत्रछाया में लिया। उन्होंने सभी को आगे बढ़ कर नेतृत्व करने का अधिकार दिया। सुग्रीव को राज्य दिलाना उनके दयालु स्वभाव का ही प्रतिक है।

भगवान श्री राम ने कभी भी कहीं भी जीवन में मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया। माता-पिता और गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए वह 'क्यों' शब्द कभी भी मुख पर नहीं लाए। वह एक आदर्श पुत्र, शिष्य, भाई, पति, पिता और राजा बने, जिनके राज्य में प्रजा सुख-समृद्धि से परिपूर्ण थी।